अध्याय 22. कच्चे दोस्त-2 (शिक्षाप्रद कहानी)

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. रामप्रसाद देखने में कैसा लगता था?

Ans:- रामप्रसाद देखने में भिखारियों जैसा लगता था।उसकी शक्ल-सूरत और पहनावा साधारण व मैले कपड़ों वाला था।

2. दस रुपये चुराकर आदित्य ने क्या किया?

Ans:- दस रुपये चुराकर आदित्य ने ताला बंद कर दिया और चाबी बक्से के ताले में फँस गई, जिसे उसने कपड़े से ढक दिया।

लघूत्तरीय प्रश्न-

1. जिन लड़कों की संगति में आदित्य रहने लगा था, उनके जीवन का क्या लक्ष्य था?

Ans:- उन लड़कों के जीवन का कोई लक्ष्य नहीं था।उनका उद्देश्य केवल पेट भरकर जीवन बिताना था।

2. भिखारी बालकों की संगति में आदित्य क्या-क्या करता था?

Ans:- आदित्य उनके साथ घूमता-फिरता, झूठी अमीरी की डींगें मारता, खाने-पीने और मौज-मस्ती में समय बिताता था।

3. दस रुपये चुराकर आदित्य ने उन्हें किस प्रकार खर्च किया?

Ans:- उसने बर्फी खरीदी, सिनेमा देखा, मूँगफली खाई और दो अच्छे पेन खरीदे—एक अपने लिए और एक रामप्रसाद के लिए।

4. फिल्म देखते समय आदित्य को क्या डर सता रहा था?

Ans:- उसे डर सता रहा था कि माँ बक्सा खोलेंगी और ताले में फँसी चाबी देखकर उसकी चोरी पकड़ी जाएगी और उसे मार पड़ेगी।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

1. आदित्य की माँ को कैसे पता चला कि आदित्य ने पैसे चुराए हैं?

Ans:- जब माँ ने बक्सा खोलने का प्रयास किया तो चाबी नहीं मिली।ताले में फँसी चाबी देखकर संदेह हुआ।ताला खोलने पर बटुए से दस रुपये गायब मिले, जिससे उन्हें समझ आ गया कि यह काम आदित्य ने ही किया है।

2. आदित्य के पिता को स्कूल जाकर क्या पता चला?

Ans:- स्कूल जाकर पिता को पता चला कि आदित्य दो महीने से स्कूल नहीं आ रहा था और उसका नाम स्कूल से काट दिया गया था।

3. घर जाने पर आदित्य के साथ क्या हुआ?

Ans:- घर पहुँचते ही माँ ने क्रोधित होकर उसकी पिटाई की।मोहल्ले वाले इकट्ठा हो गए।बाद में माँ के साथ जाकर उसने छिपाए हुए बचे पैसे निकाले और भविष्य में चोरी न करने का वचन दिया।अगले दिन उसका नाम फिर से स्कूल में लिखवाया गया।